महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष – 2 अंक – 9 मई, 2024

University Email-mguniversitygkp@mgug.ac.in
University Website-www.mgug.ac.in
NSS Email-coordinator.nss@mgug.ac.in
NCC Email-ncc@mgug.ac.in

सम्पादक

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

सहायक आचार्य (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना

सम्पादक मण्डल

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

सहायक आचार्य (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर

डॉ. विकाश कुमार यादव

सहायक आचार्य (कृषि संकाय)

कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना

श्री धनंजय पाण्डेय

शिक्षक (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

श्री शारदानन्द पाण्डेय

राष्ट्रीय सेवा योजना

विश्वविद्यालय संगठन

कुलपति : मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई
कुलसचिव : डॉ. प्रदीप कुमार राव
कार्यक्रम समन्वयक : डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

इकाई एवं कार्यक्रम अधिकारी

इकाई सं0	इकाई कोड	इकाई का नाम	कार्यक्रम अधिकारी का नाम
1	UP-80/001/24/001	पारिजात इकाई	डॉ. विकाश कुमार यादव
2	UP-80/002/24/101	अष्टवक्र इकाई	''
3	UP-80/003/24/201	आर्यभट्ट इकाई	श्री धनन्जय पाण्डेय
4	UP-80/004/24/301	माता सबरी इकाई	सुश्री शिवांगी दूबे
5	UP-80/005/24/401	नचिकेता इकाई	कुंवर अभिनव सिंह राठौर
6	UP-80/006/24/501	माता अनुसूइया इकाई	सुश्री ऐमन खान
7	UP-80/007/24/601	गार्गी इकाई	सुश्री कविता साहनी
8	UP-80/008/24/701	मैत्रयी इकाई	सुश्री प्रिया सिंह

राष्ट्रीय कैडेट कोर

101 यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन, गोरखपुर

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर : डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

‘सेवा पथ’

‘सेवा पथ’ एक मासिक ई–पत्रिका है, जिसका प्रकाशन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित **‘राष्ट्रीय सेवा योजना’** एवं **‘राष्ट्रीय कैडट कोर’** के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं विश्वविद्यालय के बाहर दिए जा रहे योगदान, सामाजिक सेवा, समाज के उत्थान हेतु किए जा रहे कार्यों इत्यादि का संकलन किया गया है। **‘सेवा पथ’** मासिक ई–पत्रिका का **प्रथम संस्करण** माह **अगस्त 2023** में प्रकाशित किया गया था, जिसमें केवल **‘राष्ट्रीय सेवा योजना’** द्वारा किए गए सामाजिक कार्यो एवं क्रियाकलापों को संकलन किया गया था। किन्तु आगे की कड़ी में बढ़ते हुए इस माह की मासिक ई–पात्रिक के **‘चतुर्थ संस्करण’** में राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ–साथ राष्ट्रीय कैडट कोर की इकाई के द्वारा किए जा रहे गतिविधियों को भी शामिल किया जा रहा है।

इस मासिक ई–पत्रिका का नाम **‘सेवा पथ’** शब्द सामाजिक सेवा और सामाजिक उत्कृष्टता की प्रवृत्ति की ओर केन्द्रित है। यह एक व्यक्ति या समूह का उद्दीपन करता है जो समाज में सेवा करने के लिए समर्पित है। **‘सेवा पथ’** का आशय है कि व्यक्ति या समूह अपने कौशल, समर्पण की भावना से समाज की सेवा करें व दूसरों को भी सेवा करने के लिए उद्दीपित करता रहे। व्यक्ति या समूह जो सेवा पथ पर होता है, वे सामाजिक समस्याओं की पहचान करने के साथ–साथ समाधान ढूंढने और उन्हें सुलझाने में योगदान करता है। सामाजिक सेवा के माध्यम से, सेवा पथ से जुड़े व्यक्ति या समूह समृद्धि, समर्पण और सामाजिक न्याय की ओर प्रबल कदम बढ़ाता है।

इस तरह **‘सेवा पथ’** एक मार्गदर्शक शब्द है जो सेवा और समृद्धि की दिशा में अग्रसर होने के लिए सभी को प्रेरित करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना एक नजर में...

भारत में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा छात्रों का प्रथम कर्तव्य उनके अध्ययन की अवधि को केवल बौद्धिक ज्ञान तक ही सीमित न रखकर स्वयं को ऐसे व्यक्तियों की सेवा में समर्पित करना है जिन्हें राष्ट्र की वस्तुओं और सेवाओं की आवश्यकता हो और उन्हें हमारे देश की आवश्यक वस्तुएं प्रदान की जा सके, जो कि समाज के लिए अतिआवश्यक है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् डॉ. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में स्वैच्छिक आधार पर शैक्षिक संस्थाओं में **''राष्ट्रीय सेवा''** आरम्भ करने की सिफारिश की गयी थी। सन् 1959 में शिक्षा मंत्री के सम्मेलन के समक्ष योजना का एक मसौदा रखा गया। इस दिशा में सटीक सुझाव देने के लिए **28 अगस्त, 1959** को **डॉ. सी. डी. देशमुख** की अध्यक्षता में एक **''राष्ट्रीय सेवा समिति''** का गठन किया गया।

सन् 1960 में भारत सरकार की पहलता पर प्रो. के.जी. सैय्यदेन ने विश्व के कई देशों में छात्रों द्वारा क्रियान्वित **''राष्ट्रीय सेवा''** का अध्ययन किया और कई सिफारिशों के साथ सरकार को युवाओं के लिए **''राष्ट्रीय सेवा''** शीर्षक के तहत अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. डी.एस. कोठारी (1964–66) की अध्यक्षता में शिक्षा आयोग ने यह सिफारिश दी की शिक्षा के सभी स्तरों पर छात्रों को सामाजिक सेवा के किसी रूप से जोड़ा जाना चाहिए। इस पर अप्रैल, 1967 में राज्य शिक्षा मंत्री द्वारा उनके सम्मेलन के दौरान विचार किया गया की **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस.एस.) नामक एक नया कार्यक्रम प्रदान किया जा सकता है। सितम्बर, 1969 में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति के सम्मेलन में इस सिफारिश का स्वागत किया गया।

मई. 1969 में शिक्षा मंत्रालय तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थाओं के छात्र प्रतिनिधियों के सम्मेलन में घोषणा की गई कि **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** राष्ट्रीय एकता के लिए सशक्त माध्यम हो सकती है। 24 सितम्बर, 1969 को तत्कालीन शिक्षामंत्री डॉ. वी.के. आर.वी. राव ने सभी राज्यों को शामिल करते हुए 37 विश्वविद्यालयों में **''राष्ट्रीय सेवा योजना''** (एन.एस. एस.) कार्यक्रम आरंभ किया। जिसका प्रथम उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से उनके व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करना ही नही अपितु **'सेवा के माध्यम से शिक्षा देना'** ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य है।

आज राष्ट्रीय सेवा योजना विश्व भर में राष्ट्रीय विकास, सेवा, शांति, राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य करने वाले छात्र समूह की सबसे बड़े रचनात्मक संगठन के रूप में हमारे सामने है। राष्ट्रीय सेवा योजना ने अपने गौरवशाली वर्षों में युवा जागरुकता, राष्ट्र निर्माण और विश्व शांति के लिए अनेकानेक कार्यक्रमों के साथ अपनी पहचान बनाई है। ऐसे महान संगठन में आपका स्वागत है।

आइए! हम सब मिलकर एक समृद्ध राष्ट्र, एक विकसित राष्ट्र, एक जागृत राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें।

जय हिंद, जय भारत।

कार्ययोजना

राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों को सृजनात्मक एवं रचनात्मक कार्यों के प्रति प्रेरित कर समाज सेवा का अवसर प्रदान कर उनके व्यक्तित्व को निखारने एवं भविष्य में उन्हें कर्त्तव्यनिष्ठ, संवेदनशील तथा उपयोगी नागरिक के रूप में सवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राष्ट्रीय सेवा योजना से प्राप्त प्रमाण–पत्र स्वयं सेवकों के अच्छे भविष्य के निर्माण में सहायक हैं। विद्यार्थी शासकीय तथा गैर शासकीय सेवाओं में इन प्रमाण–पत्रों का प्रयोग कर सकते हैं। उच्चतर कक्षाओं के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के समय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रमाण–पत्र धारक छात्रों को अतिरिक्त बोनस अंक भी दिये जाते हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत दो प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन होते हैं :–

1. सामान्य कार्यक्रम 2. विशेष शिविर कार्यक्रम

1.सामान्य कार्यक्रम :–

सामान्य कार्यक्रम के अन्तर्गत **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** में पंजीकृत प्रत्येक विद्यार्थी को स्वयं सेवक के रूप में एक वर्ष में कम से कम 120 घंटे का समाज सेवा कार्य करना पड़ता है और दो वर्ष की अवधि में अर्थात् 240 घंटे का समाज सेवा कार्य पूरा करने पर उसे विश्वविद्यालय / महाविद्यालय से प्रमाण पत्र दिया जाता है।

2. विशेष शिविर कार्यक्रमः–

राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रत्येक इकाई द्वारा वर्ष में एक दस दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर विश्वविद्यालय महाविद्यालय के निकट किसी ग्राम में लगाया जाता है। विशेष शिविर में शिविर अनुभव भी अपना एक विशेष महत्व रखता है। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी शिविर जीवन का अनुभव प्राप्त करते हैं तथा एक अच्छे नागरिक के कर्त्तव्य का पालन एवं समाज के लिए वे क्या सेवा कर सकते हैं इसका ज्ञान प्राप्त करते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की विभिन्न इकाईयों द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं स्त्रोतों और कुशल व्यक्तियों को देखते हुए विविध प्रकार के कार्यक्रम अभिग्रहित क्षेत्रों में लिए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थीगण अन्य क्षेत्रों में भी कार्य के लिए स्वतंत्र होंगे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ होती हैं–

- शिक्षा एवं मनोरंजन इसके अन्तर्गत साक्षरता, स्कूली शिक्षा पाठशाला छोड़ने वाले बच्चों की शिक्षा बालगृहों में कार्यशाला प्रवेश कार्यक्रम सांस्कृतिक गतिविधियाँ ग्रामीण एवं देशी खेलकूद सामाजिक बुराईयों के उन्मूलन पर चर्चाएं एवं जागरूकता के कार्यक्रमों का आयोजन मुख्य है।

- आपातकाल के कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्रमुख रूप से लोगों को उनकी असहायता पर काबू पाने योग्य बनाने के लिए उनके साथ मिलकर कार्य करने सम्बन्धी कार्यक्रमों पर जोर देना चाहिए। इसके अलावा प्राकृतिक विपदाओं जैसे– भूकम्प, बाढ, तूफान आदि के आने पर सहायता और पुन्रर्वास कार्यो में स्थानीय लोगों अधिकारियों संस्थाओं को सहयोग देना प्रमुख हैं।

- पर्यावरण संवर्धन एवं परिक्षण ऐतिहासिक स्मारकों पुरावशेषों व अन्य सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं उनके प्रति चेतना पैदा करना पर्यावरण के प्रति समाज में चेतना जागृत करना वृक्षारोपण उनका बचाव और अनुरक्षण स्वच्छता के लिए सड़कों गलियों नालियों तालाबों पोखरों कुओं आदि की सफाई भूमि क्षरण की रोकथाम तथा भूमि सुधार गोबर गैस संयत्र सौर ऊर्जा के प्रयोग का प्रचार करना।

- स्वास्थ्य, परिवार, कल्याण और आहार पोषण कार्यक्रम, टीकाकरण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य की देखभाल जनसंख्या शिक्षा और परिवार कल्याण रोगियों अनाथों वृद्धों की सहायता स्वच्छ पेयजल के प्रदाय की व्यवस्था एकीकृत बाल विकास तथा पौष्टिक आहार कार्यक्रमों का संचालन करना।

- महिलाओं के स्तर सुधार के कार्यक्रम महिलाओं की शिक्षा तथा उन्हें अपने संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के प्रति सचेत करना उनके सशक्तीकरण के उपाय सुझाना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण आदि कार्यक्रम संचालित करना।

- उत्पादनोन्मुखी कार्यक्रम उन्नत कृषि के तरीकों की जानकारी कीट व खरपतवार नियंत्रण भूमि परिक्षण एवं उपजाऊपन की देखभाल कृषि यंत्रों की देखभाल सहकारी समितियों के सुदृढ़ीकरण और उनके प्रोत्साहन के लिए फार्म पशु पालन कुक्कुट पालन पशु स्वास्थ्य के बारे में सहायता एवं मार्गदर्शन कृषि तकनीकों के प्रयोग के प्रति जागरूकता पैदा करना आदि।

- अन्य गतिविधियाँ जो स्थानीय आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के आधार पर की जाएँ।

एनसीसी देश की सेकेंड लाइन ऑफ डिफेंस है। अकादमिक स्तर पर विद्यार्थियों को सैन्य प्रशिक्षण देकर राष्ट्र संकल्प की प्रेरणा देता है। एन.सी.सी. का लक्ष्य युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन, धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना तथा स्वयं सेवा के आदर्शों को विकसित करना है। साथ ही सशक्त राष्ट्र के निर्माण में युवाओं में नेतृत्व गुणों का विकास करना है। राष्ट्रीय कैडेट कोर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल एवं प्रेरित करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कैडेट कोर की यूनिट जुलाई 2023 में अनुशंसित हुई। कड़ी चयन प्रक्रिया में विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित 102 यूपी बटालियन एनसीसी गोरखपुर के प्रथम सत्र में 36 कैडेट्स का चयन किया गया। कुशल संचालन के लिए ए.एन.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव को कैडेट्स के प्रशिक्षण एवं विविध गतिविधियों के संचालन का दायित्व प्रदान किया गया है जिनके कुशल मार्गदर्शन कैडेट्स सैन्य प्रशिक्षण का अभ्यास कर रहे हैं ।

कैडेट्स राष्ट्रीय कैडेट्स कोर के मूल संकल्प एकता और अनुशासन के साथ अखंड भारत के संकल्प को पूर्ण करने का सौभाग्य ग्रहण कर रहे है। राष्ट्रीय कैडेट कोर ने स्कूली शिक्षा से विद्यार्थियों को सैन्य सेवा के लिए तैयार करने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। एनसीसी का अहम लक्ष्य शिक्षा के साथ युवाओं को सैन्य अनुशासन का अभ्यास कराके देश की रक्षार्थ प्रेरणा देना है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) भारतीय सैन्य कैडेट कोर है जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। यह एक स्वैच्छिक संस्था है जो पूरे भारत के स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से कैडेटों की भर्ती करती है। कैडेटों को परेड एवं छोटे हथियार चलाने का बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता है। अधिकारियों और कैडेटों को पाठ्यक्रम पूरा करने पर सक्रिय सैन्य सेवा में जाने की कोई बाध्यता नहीं होती है, किन्तु एनसीसी के क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों के आधार पर उन्हें चयन के समय सामान्य अभ्यर्थियों की अपेक्षा वरीयता दी जाती है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर थल सेना, नौसेना और वायुसेना के सम्मिलन वाला एक त्रिसेवा संगठन है जो देश के युवाओं को संवार कर अनुशासित और देशभक्त नागरिकों में ढाल देता है। एनसीसी की उत्पत्ति को यूनिवर्सिटी कोर के साथ जोड़ा जा सकता है जिसकी स्थापना भारतीय रक्षा अधिनियम 1917 के तहत थल सेना में सैनिकों की कमी को पूरा करने के लिए की गई थी। 1920 में जब भारतीय प्रादेशिक अधिनियम पारित किया गया तो इस यूनिवर्सिटी कोर को यूनिवर्सिटी ट्रेनिंग कोर (UTC) में बदल दिया गया। इसका उद्देश्य यूटीसी की स्थिति सुधारना और इसे युवाओं के लिए अधिक आकर्षक बनाना था। यूटीसी अधिकारी और कैडेट सेना जैसी वर्दी पहनते थे। यह सशस्त्र सेनाओं के भारतीयकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। 1942 में यूटीसी का नाम बदलकर यूनिवर्सिटी ऑफिसर्स ट्रेनिंग कोर (UOTC) रखा गया।

एनसीसी भारत में नेशनल कैडेट कोर एक्ट, 1948 द्वारा गठित किया गया। इसकी स्थापना 15 जुलाई, 1948 को हुई। एनसीसी को यूओटीसी का उत्तराधिकारी माना जा सकता है जिसकी स्थापना ब्रिटिश सरकार द्वारा 1942 में की गई थी। स्वतंत्र भारत में युद्ध और शांति के समय युवाओं को सैन्य अकादमिक

प्रशिक्षण देकर राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करना था। पंडित हृदयनाथ कुंजरू की अध्यक्षता में स्कूलों व कॉलेजों में राष्ट्रीय स्तर के एक कैडेट संगठन की स्थापना की सिफारिश की। 15 जुलाई, 1948 को राष्ट्रीय कैडेट कोर एक्ट गवर्नर जनरल द्वारा स्वीकार कर लिया गया और इसके साथ ही राष्ट्रीय कैडेट कोर अस्तित्व में आया।

पाकिस्तान के साथ 1965 और 1971 के युद्धों में एनसीसी कैडेट रक्षा की दूसरी पंक्ति में थे। उन्होंने आयुध निर्माणियों की मदद के लिए शिविर आयोजित किये, युद्धस्थल पर हथियार और गोला–बारूद पहुँचाए और शत्रु सेना के पैराट्रूपर्स को पकड़ने वाले गश्ती दलों की तरह कार्य किया। एनसीसी कैडेटों ने नागरिक सुरक्षा अधिकारियों के साथ कधे से कंधा मिलाकर कार्य किया और सक्रिय रूप से बचाव कार्य और यातायात नियंत्रण में भाग लिया। 1965 और 1971 के भारत.पाक युद्धों के पश्चात एनसीसी के पाठ्यक्रम में संशोधन किये गए। केवल रक्षा की द्वितीय पंक्ति होने के बजाय अब इसमें नेतृत्व के गुणों और अधिकारियों जैसे गुणों के विकास पर अधिक बल दिया जाने लगा।

कोर की शुरुआत वरिष्ठ वर्ग के 32.500 और कनिष्ठ वर्ग के 1,35,000 कैडेटों के साथ हुई थी। तब से यह बहुत तेजी से बढ़ी है और अधिकृत कैडेट संख्या अब 1420 लाख तक पहुँच चुकी है। हालांकि यह संख्या अपने आप में काफी महत्वपूर्ण है, फिर भी यह देश के भर्ती योग्य विद्यार्थियों की संख्या का लगभग केवल 3.5 प्रतिशत ही है। एनसीसी की 814 इकाइयों का जाल 4829 कॉलेजों और 12545 विद्यालयों द्वारा संपूर्ण भारत में फैला हुआ है।

एनसीसी को अंतर्सेवा छवि तब प्राप्त हुई जब 1950 में इसमें वायु स्कंध और 1952 में नौसेना स्कंध को भी जोड़ा गया। स्कूल के विद्यार्थियों (कनिष्ठ वर्ग) को प्राथमिक सैन्य प्रशिक्षण दिया जाता था जबकि कॉलेज के विद्यार्थियों (वरिष्ठ वर्ग) को सशस्त्र सेना के संभावित अधिकारी के रूप में प्रशिक्षित किया जाता था। इस प्रयोजन हेतु आर्मर्ड कोर, आर्टिलरी, इजीनियर्स, सिग्नल्स, इफैंटरी और मेडिकल कोर की इकाइयों की स्थापना एनसीसी में की गई।

1960 तक, संपूर्ण भारत के स्कूल–कॉलेजों में एनसीसी की इकाइयों की माँग बहुत बढ़ गई थी। इस बढ़ती हुई माँग को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर राइफल्स (NCCR) की स्थापना की गई। 1962 के चीन के आक्रमण के बाद संपूर्ण देश में एनसीसी को अनिवार्य बना देने की माँग उठी। फलस्वरूप 1963 में कॉलेज के प्रथम तीन वर्षों में 16 से 25 वर्ष की आयु के सभी सक्षम शरीर वाले युवाओं के लिए एनसीसी प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया।

1986 में भारत सरकार ने थपन समिति को एनसीसी के लक्ष्यों और उद्देश्यों के संदर्भ में इसके कामकाज का पुर्नमूल्यांकन करने के आदेश दिये। लेफ्टिनेंटे जनरल (रिटायर्ड) एम. एल. थपन (PVC) की अध्यक्षता वाली इस समिति ने अपनी रिपोर्ट जून, 1988 में पेश की। थपन समिति के सुझावों के अनुरूप सरकार ने 1992 में एनसीसी के लक्ष्यों को संशोधित रूप में अनुमोदित किया। जो निम्नवत है–

(i) देश के युवाओं में चरित्र, साहस, भाई–चारे, अनुशासन, नेतृत्व धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहसिक अभियानो, खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों एवं गुणों का विकास करना जिससे कि वे उपयोगी नागरिक बन सकें।

(ii) संगठित, प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो कि सशस्त्र बलों के साथ.साथ जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सके और हमेशा देश की सेवा के लिए तत्पर रहें।

रक्षा मंत्रालय द्वारा मार्च 2001 में अनुमोदित किये गए एनसीसी के लक्ष्य इस प्रकार है (1) देश के युवाओं के चरित्र भाई–चारे अनुशासन, नेतृत्व धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण साहसिक अभियानों में रुचि खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना।

(iii) संगठित प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो जीवन के सभी क्षेत्र नेतृत्व प्रदान कर सके और देशसेवा के लिए तत्पर रहें।

(iv)सशस्त्र बलों में अपना कैरियर शुरू करने के लिए युवाओं को प्रेरित करने के से तैयार करना।

एनसीसी का आदर्श वाक्य (Motto)

एकता और अनुशासन (Unity and Discipline)

महानिदेशक के चार आधारभूत सिद्धांत :

1. मुस्कान के साथ आज्ञापालन करो
2. समयनिष्ठ रहो
3. निःसंकोच कठिन परिश्रम करो
4. बहाने मत बनाओ और झूठ मत बोलो

एनसीसी के वर्तमान लक्ष्य :

1. देश के युवाओं के चरित्र, भाई–चारे, अनुशासन, नेतृत्व, धर्म–निरपेक्षता के दृष्टिकोण, साहसिक अभियान में रूचि खेल भावना और निःस्वार्थ सेवा भाव को विकसित करना।
2. संगठित प्रशिक्षित और प्रेरित युवाओं के एक मानव संसाधन का निर्माण करना जो जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सके और हमेशा देश सेवा के लिए समर्पित रहें।

शपथ : ''मैं सत्यनिष्ठा से लेता/लेती हूँ कि पूरी सच्चाई और श्रद्धा से अपनी मातृभूमि की सेवा करूँगा/करूँगी और एनसीसी के सभी नियमों और अधिनियमों का पालन करूगाँ/करूँगी। इसके अलावा, अपने कमांडिंग ऑफिसर के आदेश और नियंत्रण के अनुसार प्रत्येक परेड और कैम्प में पूरी शक्ति के साथ हिस्सा लूंगा/लूंगी।''

प्रतिज्ञा : हम राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट बड़े सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करते हैं कि हमेशा भारत की एकता को बनाए रखेंगे। हम संकल्प करते हैं कि हम भारत के अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। हम अपने साथी जीवों के हित में निःस्वार्थ भाव से सामुदायिक सेवा करेंगे।

प्रमाण-पत्र वितरण समारोह

राष्ट्रीय कैडेट कोर

छात्रा को प्रमाण पत्र भेंट करते डॉ. राजेन्द्र भारती जी

प्रमाण पत्र के साथ एन.सी.सी. कैडेट्स

दिनांकः 06 मई, 2024। राष्ट्रीय कैडेट् कोर 102 यू.पी. बटालियन के दस दिवसीय वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर महाराजगंज में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स ने उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बनने का सौभाग्य ग्रहण किया। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रोफेसर राजेंद्र भारती ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने अपना उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर अपने साथ विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है। शिविर में कैडेट्स ने एकता, अनुशासन, सामूहिक शक्ति बुद्धि कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी के अनुयायी न बने स्वयं में नेतृत्वकर्ता बने। कैडेट्स को राष्ट्र हित के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। प्रतियोगिता से आत्मविश्वास की भावना जागृत होती है ।

कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कर्नल राजेश बहल जी ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करता है, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने शिविर में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर स्वयं के साथ विश्वविद्यालय का नाम भी रोशन किया है। मेडल्स जीवन के हर क्षेत्र में आपको नए चुनौतियों के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय 102 यू. पी. बटालियन यूनिट के ए.एन.ओ. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने यूनिट का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि महाराजगंज के धनेवा, धनेही में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कुल 11 विद्यालयों के 600 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। शिविर का संचालन कैंप कमांडेड़ कर्नल अखिलेश मिश्रा और लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी ने किया। शिविर में संचालित विविध प्रतियोगिताओं में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने सभी प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर श्रेष्ठता क्रम में कुल 35 मेडल्स और एक दर्जन से ज्यादा गिफ्ट ग्रहण कर उपविजेता होने का सौभाग्य ग्रहण किया।

शिविर गतिविधियों का संचालन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, गर्ल्स सीनियर सार्जेंट खुशी गुप्ता और डेल्टा कंपनी को अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने अपने कुशल नेतृत्व से संचालित करने में सहयोग किया। शिविर में बेस्ट गर्ल्स कैडेट्स के रूप में अंडर ऑफिसर अंशिका सिंह को गोल्ड मेडल्स से सम्मानित किया गया।

शिविर में बैनेट फाइटिंग प्रतियोगिता में कैडेट प्रीति शर्मा, श्रद्धा उपाध्याय, आंचल पाठक, अनुष्का, फ्लैग एरिया में लांस नायक ह्रस्व साहनी, आदर्श मौर्या, निकिता गौंड, शिवम सिंह, साक्षी प्रजापति, अस्मिता सिंह, गौरी कुशवाहा, अमृता कनौजिया, दरख्सा बानो, अंशिका सिंह, क्वॉर्टर गार्ड में कृष्णा त्रिपाठी, टग ऑफ वॉर प्रतियोगिता में डेल्टा कंपनी ब्याज ने प्रथम स्थान ग्रहण किया। जिसमें डेल्टा कंपनी के अंडर आफिसर मोती लाल, सार्जेंट आदित्य विश्वकर्मा, आशुतोष मणि त्रिपाठी, सागर यादव, भानू प्रताप सिंह, अमित चौधरी, आदर्श, ने आपसी सूझबूझ खिचतान से प्रतिद्वंदियों को मैदान में पठखनी दिया। वहीं डेल्टा कंपनी की गर्ल्स द्वितीय स्थान पर रहीं जिसमें प्रमुख रूप से श्रद्धा उपाध्याय, पूजा सिंह, प्रीति शर्मा, खुशी गुप्ता, साक्षी प्रजापति, दरख्सा बानो, गौरी कुशवाहा ने प्रतिद्वंदी टीम को सीमा रेखा से पार कर दिया। सांस्कृतिक प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने सर्जिकल स्ट्राइक, देश भक्ति को केंद्र में रखकर निर्णायक मंडल को प्रभावित किया।

संस्कृति प्रतियोगिता को निर्णायक मंडल ने प्रथम स्थान से अलंकृत किया। सांस्कृतिक प्रस्तुति में अंडर ऑफिसर अंशिका सिंह, आंचल पाठक, सागर जायसवाल, पूजा सिंह को गोल्ड मेडल्स से सम्मानित किया गया। क्विज (प्रश्नोत्तरी) प्रतियोगिता में कैडेट अनुभव, पूजा सिंह, अमृता कनौजिया ने उत्कृष्ठ प्रदर्शन किया। वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कैडेट अनुभव ने और द्वितीय स्थान श्रद्धा उपाध्याय विजेता रहीं। वाद–विवाद समूह प्रतियोगिता में कैडेट अनुभव, खुशी गुप्ता, श्रद्धा उपाध्याय ने पक्ष और विपक्ष में प्रतिद्वंदियों को अपने बेबाक शब्द भावो से पटखनी दी।

राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स के उत्कृष्ठ प्रदर्शन पर कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत जी, प्राचार्य डॉ. एन. एस. मंजूनाथ, प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा, अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल दूबे, डॉ. एस. के. सिंह, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. अमित दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, धनंजय पांडेय, डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. विकास यादव, डॉ. विन्रम शर्मा, डॉ. प्रज्ञा सिंह, श्री साध्वी नंदन पाण्डेय, डॉ. कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षकगण ने शुभाशीष दिया।

राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर हेतु चयन

राष्ट्रीय कैडेट कोर

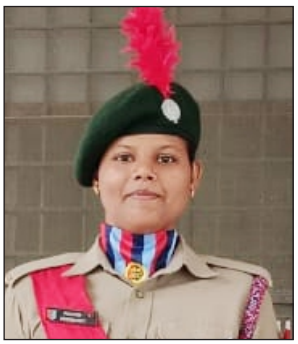

पूजा सिंह

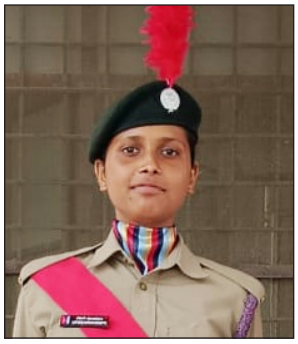

प्रीती शर्मा

दिनांकः 07 मई, 2024। को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर 102 यू.पी. बटालियन के कैड्ट पूजा सिंह और कैडेट प्रीति शर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर हेतु किया गया है। यह जानकारी शिविर के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी ने दिया।

लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने बताया कि एन.सी.सी. कैडेट के चतुर्दिक विकास के लिए 5 मई से 14 मई 2024 तक समेंकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा, धनेही महराजगंज में आयोजित किया गया है। जहां कैडेट्स को कुशल प्रशिक्षकों के देखरेख में गणतंत्र दिवस परेड के लिए तैयार किया जाएगा।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के लिए यह गौरव का विषय है। वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर कैडेट्स ने उपविजेता बनकर एक नई पहचान स्थापित किया है। शिविर में कैडेट्स के श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की दो कैडेट्स पूजा सिंह और प्रीति शर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में होने से सभी कैडेट्स का मनोबल ऊंचा हुआ है।

राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स के चयन पर कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत जी, प्राचार्य डॉ. एन.एस. मंजूनाथ, प्राचार्या डॉ. डी. एस. अजीथा, अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ. विमल दूबे, डॉ, एस. के. सिंह, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. अमित दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, धनंजय पांडेय, डॉ. अखिलेश दुबे, डॉ. विकास यादव, डॉ. विन्नम शर्मा, डॉ. प्रज्ञा सिंह, श्री साध्वी नंदन पाण्डेय, डॉ. कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षकगण ने शुभाशीष दिया।

राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण

एन.सी.सी. कैडेट्स का उत्साहवर्धन करते हुए माननीय कुलपति जी

राष्ट्रीय कैडेट कोर

दिनांक 16 मई, 2024। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के 102 यूपी बटालियन यूनिट की कैडेट्स पूजा सिंह और प्रीति शर्मा ने महाराजगंज में चले शिविर में कैडेट पूजा सिंह ने गार्ड कमांडर और कैडेट प्रीति शर्मा ने अंडर गार्ड कमांडर के रूप में क्वार्टर गार्ड टीम का नेतृत्व किया।

कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि दृढ़ संकल्प और अनुशासन से जीवन में किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की छात्रा पूजा सिंह और प्रीति शर्मा ने राष्ट्रीय कैडेट कोर के राष्ट्रीय शिविर में अपने अदम्य साहस और अनुशासन से श्रेष्ठ प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व कर गौरव की अनुभूति कराया है।

कैंप कमांडेंड कर्नल अखिलेश मिश्रा ने क्वार्टर गार्ड का निरीक्षण कर शस्त्र सलामी लिया। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि आज नारी शक्ति चुनौतियों को स्वीकार कर घर, परिवार और राष्ट्र की प्रगति में अपना सशक्त योगदान दे रही है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने निरंतर अपने प्रदर्शन से नए नवाचार कर शिविर में सभी को प्रभावित किया हैं। संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा विश्वविद्यालय के कैडेट्स पूजा सिंह और प्रीति शर्मा ने शिविर में प्रतिभाग कर सभी कैडेट्स को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया है। विश्वविद्यालय में अन्य विद्यार्थियों को भी अपने रचनात्मक साहसिक कार्यों से सृजनात्मक कार्य के लिए तत्पर रहना चाहिए।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स ने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों, संवाद, सैन्य प्रदर्शन प्रतियोगिता में अपनी रचनात्मक साहसिक कार्यों से शिविर को समृद्ध किया है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में कैडेट्स ने नए नवाचारो से स्वयं में नई ऊर्जा का संचार किया है। इनके अनुभवों से अन्य कैडेट्स को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगा। राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर से वापस लौटी कैडेट्स को कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, सभी प्राचार्य, अधिष्ठता और शिक्षकगण ने बधाई व शुभकामनाएं दिया।

हस्ताक्षर अभियान में माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी एवं विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण

दिनांक 20 मई, 2024 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान, 'लोकतंत्र को मजबूत करे, चले वोट करें' सेल्फी पॉइंट और वृहद मतदाता जागरूकता हस्ताक्षर अभियान पर हस्ताक्षर करके कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल बाजपेई जी ने अभियान की शुरुआत किया।

सेल्फी पॉइंट और हस्ताक्षर अभियान कर मतदाताओं को जागरूक करते हुए कुलपति जी ने कहा की लोकतंत्र में वोट की शक्ति मतदाता का शत–प्रतिशत अधिकार होता है। सही मत के अधिकार से सशक्त सरकार के निर्माण बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं। लोकतंत्र के महापर्व में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर जन–जन को मतदान करने के लिए प्रेरित कर मतदाता जागरूकता अभियान से वोट के प्रति निरंतर संकल्पित कर रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के पहल पर शिक्षा मंत्रालय द्वारा निरंतर नवाचारों के माध्यम से युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा की लोकतंत्र में मतदाता को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अछुण्य बनाए रखने के लिए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। हस्ताक्षर अभियान में उपस्थित आयुर्वेद विभाग के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. ने कहा कि 18 वे लोकसभा चुनाव में शत–प्रतिशत मतदान के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के प्रत्येक युवा मतदान के लिए तैयार है 1 जून को अपने बूथ पर वोट डालकर लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अपना अहम योगदान देने के लिए संकल्पित हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय में लोकतंत्र के इस महायज्ञ में युवा मतदाताओं को निरंतर नूतन नवाचारों के माध्यम से अपने वोट की शक्ति पहचानने एवं उसके सदुपयोग के लिए प्रेरित किया जा रहा है। हमें पूर्ण विश्वास है कि इस लोकतंत्र के महापर्व में युवा मतदाता अपने साथ आसपास के लोगों को भी मतदान करने के प्रति जागरूक कर मतदान का प्रतिशत समृद्ध करने में अहम भूमिका का निर्वहन करेंगे। मतदाता जागरुकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की भारत के नवनिर्माण में शसक्त लोकतंत्र के लिए हर वोट जरूरी है। मतदान के सही सदुप्रयोग वोट की शक्ति से सशक्त राष्ट्र सशक्त सरकार का चयन किया जा सकता है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने शत–प्रतिशत मतदाता पंजीकरण कराने में सफल रहा है।

विश्वविद्यालय में मतदाता पहचान पत्र के पंजीकरण के लिए शिविर लगाकर शत–प्रतिशत मतदाता पंजीकरण रिकॉर्ड को पूरा किया गया। विश्वविद्यालय में युवा विद्यार्थियों का मतदान को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

इस अवसर पर उपकुलसचिव प्रशासन श्री श्रीकांत जी, प्राचार्य मंजूनाथ एन. एस, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ. कुलदीप सिंह, श्री धनंजय पांडेय, निर्वाचक योद्धा, शिवानी सिंह, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, मतदाता जागरूकता अभियान के निर्वाचक योद्धा सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, अभिषेक चौरसिया, आशुतोष सिंह, हर्षव साहनी, भानु प्रताप सिंह, अमित चौधरी, आदर्श मौर्या, शिवम सिंह, शुभम मौर्य, अस्मिता सिंह, अमृता कनौजिया, अमित कुमार चौधरी सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक, राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स सभी शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

दैनिक समाचार पत्र हिंदुस्तान के आओ राजनीति करें अभियानड में वाद–विवाद करते हुए विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

दिनांक 28 मई, 2024। दैनिक समाचार पत्र हिंदुस्तान के आओ राजनीति करें अभियान के तहत मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में दसवीं युवा संसद का आयोजन किया गया। रोल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन पॉलिटिक्स विषय पर सांसदों के रूप में बैठे बॉयोटेक्नोलॉजी बायोकेमेस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, फार्मेसी और एग्रीकल्चर के छात्र–छात्राओं ने बहुत ही तार्किक रूप में अपनी बात रखी। विद्यार्थियों ने अपने तर्कों से युवा संसद को जीवंत बना दिया। पक्ष में बैठे छात्राओं ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को राजनीति समेत सभी क्षेत्र के लिए नया क्रांति बताया।

वहीं विपक्ष में बैठे सदस्यों ने उदाहरणों के माध्यम से एआई को घेरने की कोशिश की। पक्ष में बैठे छात्र–छात्राओं ने एआई के फायदे बताते हुए कहा कि आज हर क्षेत्र वो स्वास्थ्य क्षेत्र, रक्षा क्षेत्र, शिक्षा क्षेत्र हर में एआई का प्रयोग किया जा रहा है उसको कृषि विभाग में बहुत अहम उपयोगी साबित हो रहा है आज जो काम मानव द्वारा संभव नहीं है वो आज एआई द्वारा किया जा रहा है वो मंगल ग्रह पर जाना बॉम्ब डिफ्यूज करना और अब मीडिया क्षेत्र में सभी न्यूज चैनल एआई का प्रयोग कर रहे है इस पर विपक्ष के विद्यार्थी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि एआई जितना हमारे लिए फायदा उससे ज्यादा नुकसान है हमेशा शब्दों को तोड़–मरोड़ कर पेश करना राज नेताओ का भाषण को एडिटिंग करके गलत अफवाह फैलाना अशांति पैदा वोटर्स का मतदान से पहले किसी एप्प के जरिए उनका मत जानना और इसके साथ ही बड़े हस्तियों को बदनाम करना हमे कभी गूगल कभी फेसबूक आज सभी है हो रहे है सबसे बड़ा करने है एआई इसके साथ ही यह रीयल टाइम एनालिसिस बिल्कुल नहीं है और स्वास्थ्य के क्षेत्र जो डॉक्टर अपना दिमाग लगा कर मरीज का जान बचा सकते है लेकिन एआई नहीं क्योंकि जैसा हम डाटा देंगे वैसा ही काम करेगा और विपक्ष ने यही बात रखते हुए कहा कि यही कारण है कि एआई आज हमारे विनाश का कारण बन सकता है इन्हीं के हिंदुस्तान टाइम के टीम ने युवाओं में वोट देने से पहले किस चीज पर वोट करेंगे जिसमें विद्यार्थी को कहना था कि राष्टीय सुरक्षा, नारी शक्ति, अंतराष्ट्रीय नीति विकास और बेरोजगार पर वोट करेगा इसी साथ सभी ने संसद में सभी युवा मतदाताओं को मतदान करने की शपथ भी दिलाई गयी।

ये कार्यकम की अध्यक्षता संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर सुनील सिंह ने किया। युवा संसद कार्यकम में निर्णायक मंडल के रूप में अस्सिटेंट प्रोफेसर धन्नजय पांडेय डॉ. संदीप श्रीवास्तव, डॉ. अंकिता मिश्रा ने किया। निर्णायक डॉ. अंकिता मिश्रा ने कहा कि एआई को मानव जाति ने बनाया है मानव जाति श्रेष्ठ है। एआई से स्वयं को निखारा जा सकता है इसमें ढेर सारी संभावनाएं है। पर्यावरण नष्ट हो रहा है, एआई से पर्यावरण को बचाने के प्रयास के रास्ते तलाशने होंगे।

निर्णायक डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि हिंदुस्तान युवा संसद ने चुनावी माहौल में गरमाहट ला दिया है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के युवाओं की दमदार विषयों ने संसद जैसा दृश्य प्रदर्शित किया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए जमीनी स्तर पर कार्य करना होगा, पेड़ मोबाइल पर नही उगते है मानवीय रूप से हम सभी को प्रकृति के प्रति संवेदनशील होना होगा। सहायक आचार्य डॉ. धनंजय पांडेय ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व में हम सभी को मतदान का संकल्प लेना होगा। युवा देश के भविष्य है महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने पहली बार मतदाता बने युवाओं को शत–प्रतिशत वोटर्स बनाने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। इस बार पहले मतदान का संकल्प लें फिर जलपान करें। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. अमित दुबे, डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव, डॉ. ए.न. सिंह, डॉ. पवन कन्नौजिया, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. प्रेणना अदिति, डॉ. कीर्ति कुमार, डॉ. किरण उपस्थित रहें।

मतदाता जागरूकता अभियान

राष्ट्रीय सेवा योजना

'वोट फॉर श्योर' मतदाता जागरूकता अभियान के तहत विद्यार्थियों ने मतदाता शपथ ग्रहण किया

दिनांक 31 मई, 2024। को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में 'वोट फॉर श्योर' मतदाता जागरूकता अभियान के तहत विद्यार्थियों ने मतदाता शपथ ग्रहण कर लोकतंत्र के प्रति अपनी आस्था को प्रकट किया।

प्रार्थना सभा में आयुर्वेद विभाग के सहायक आचार्य डॉ. विन्नम शर्मा ने मतदाता संकल्प के प्रति जागरूक करते हुए कहा की लोकतंत्र का प्रथम संस्कार वोट का अधिकार है। वोट देने का अधिकार बहुमूल्य है उसे किसी भी कीमत पर बटने न दे। लोकतंत्र के विकास और उत्कृष्ठ चयन के लिए युवा शक्ति सही प्रत्याशी का चयन कर राष्ट्र को सशक्त करने में अपनी महती भूमिका का निर्वाहन कर सकते है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ धनंजय पाण्डेय ने मतदाता शपथ ग्रहण कराया। युवा मतदाताओं का आह्वाहन करते हुए उन्होंने कहा कि मतदाता अपने वोट के प्रति सतर्क रहे। स्वरूप विवेक से अपने मत का सही प्रयोग करें।

लोकतंत्र के महापर्व में हम सभी को मतदान का संकल्प लेना होगा। युवा देश के भविष्य है महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने पहली बार मतदाता बने युवाओं को शत–प्रतिशत वोटर्स बनाने का चुनौती पूर्ण कार्य किया है। इस बार पहले मतदान का संकल्प ले फिर जलपान करें। अपने वोट के प्रति सजग रहे किसी दबाव में वोट के बिखराव से बचने का संकल्प ही एक मजबूत सरकार के निर्माण में सार्थक होगा।

स्वीप नोडल अधिकारी डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि मतदाता को सजग होकर जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा, संप्रदाय आदि की भावना छोड़कर राष्ट्र सेवा में समर्पित जनप्रतिनिधि को अपना मतदान करना चाहिए। भारतवर्ष विश्व का विशालतम लोकतंत्र है। इस बार 2024 के लोकसभा चुनाव में लगभग 100 करोड़ मतदाता अपने मत के अधिकार का प्रयोग करेंगें। डॉ. संदीप ने कहा की आगामी 18वीं लोकसभा चुनाव में दो करोड़ से अधिक युवा पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदाता शपथ ग्रहण में प्रमुख रूप से डॉ. के मिनी, डॉ. अमित कुमार दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, अनिल मिश्रा, डॉ. कीर्ति कुमार आदि समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहें।

मतदाता जागरूकता अभियान

सेल्फी प्वाइंट एवं हस्ताक्षर अभियान

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट को मिले 35 पदक, बना उपविजेता

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। राष्ट्रीय कैडेट्स कोर 102 यूपी बटालियन के दस दिवसीय वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट्स ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस आयोजन में विवि के कैडेट उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 35 पदक हासिल कर उपविजेता बने। प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रो. राजेंद्र भारती ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर महराजगंज में हुआ। शिविर में कैडेट ने एकता, अनुशासन, सामूहिक शक्ति बुद्धि कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

कर्नल राजेश बहल ने कहा कि एनसीसी कैडेट को राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करता है। पदक जीवन के हर क्षेत्र में आपको नई चुनौतियों के लिए प्रेरित करते रहेंगे। विश्वविद्यालय 102यूपी बटालियन यूनिट का नेतृत्व एएनओ डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने बताया कि महाराजगंज के धनेवा धनेही में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कुल 11 विद्यालयों के 600 कैडेट ने प्रतिभाग किया।

शिविर का संचालन कमांडेंट कर्नल अखिलेश मिश्रा और लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने किया। प्रतियोगिताओं में गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कैडेट को 35 पदक और गिफ्ट मिले। शिविर में बेस्ट गर्ल्स कैडेट के रूप में अंडर ऑफिसर अंशिका सिंह को गोल्ड मेडल्स से सम्मानित किया गया।

प्रतिद्वंदियों को पटखनी देकर जीता इनाम

शिविर में बैनेट फाइटिंग प्रतियोगिता में कैडेट प्रीति शर्मा ,श्रद्धा उपाध्याय, ,आंचल पाठक, अनुष्का, फ्लैग एरिया में लांस नायक हश्र साहनी, आदर्श मौर्या, निकिता गौंड, शिवम सिंह, साक्षी प्रजापति , अस्मिता सिंह, गौरी कुशवाहा, अमृता कनौजिया, दरख्सा बानो, अंशिका सिंह, क्वॉर्टर गार्ड में कृष्णा त्रिपाठी, टग आफ वार प्रतियोगिता में डेल्टा कंपनी ब्वायज ने प्रथम स्थान ग्रहण किया। डेल्टा कंपनी के अंडर आफिसर मोती लाल, सार्जेट आदित्य विश्वकर्मा, आशुतोष मणि त्रिपाठी, सागर यादव, भानु प्रताप सिंह, अमित चौधरी, आदर्श ने आपसी सूझबूझ से प्रतिद्वंदियों को मैदान में पटखनी दी।

उप विजेता बने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स

गोरखपुर (विधान केसरी)। राष्ट्रीय कैडेट् कोर 102 यूपी बटालियन के दस दिवसीय वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर महाराजगंज में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स ने उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बनने का सौभाग्य ग्रहण किया। महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रोफेसर राजेंद्र भारती ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने अपना उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर अपने साथ विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है। शिविर में कैडेट्स ने एकता, अनुशासन, सामूहिक शक्ति बुद्धि कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी के अनुयायी न बने स्वयं में नेतृत्वकर्ता बने। कैडेट्स को राष्ट्र हित के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। प्रतियोगिता से आत्मविश्वास की भावना जागृत होती है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कर्नल राजेश बहल जी ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करता है, महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने शिविर में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर स्वयं के साथ विश्व विद्यालय का नाम भी रोशन किया है। मेडल्स जीवन के हर क्षेत्र में आपको नए चुनौतियों के लिए प्रेरित करते रहेंगे। महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय 102 यूपी बटालियन यूनिट के एएनओ डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव ने यूनिट का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि महाराजगंज के धनेवा, धनेही में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कुल 11 विद्यालयों के 600 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। शिविर का संचालन कैंप कमांडेड़ कर्नल अखिलेश मिश्रा और लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी ने किया। शिविर में संचालित विविध प्रतियोगिताओं में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने सभी प्रतियोगिताओं एवम गतिविधियों में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर श्रेष्ठता क्रम में कुल 35 मेडल्स और एक दर्जन से ज्यादा गिफ्ट ग्रहण कर उपविजेता होने का सौभाग्य ग्रहण किया। शिविर गतिविधियों का संचालन महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, गर्ल्स सीनियर सार्जेंट खुशी गुप्ता और डेल्टा कंपनी को अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने अपने कुशल नेतृत्व से संचालित करने में सहयोग किया। शिविर में बेस्ट गर्ल्स कैडेट्स के रूप में अंडर ऑफिसर अंशिका सिंह को गोल्ड मेडल्स से सम्मानित किया गया। शिविर में 'बैनेट फाइटिंग' प्रतियोगिता में कैडेट प्रीति शर्मा, श्रद्धा उपाध्याय, आंचल पाठक, अनुष्का, 'फ्लैग एरिया' में लांस नायक हश्र साहनी, आदर्श मौर्या, निकिता गौंड, शिवम सिंह, साक्षी प्रजापति, अस्मिता सिंह, गौरी कुशवाहा, अमृता कनौजिया, दरखूसा बानो, अंशिका सिंह, 'क्वॉर्टर गार्ड' में कृष्णा त्रिपाठी 'टग आफवार' प्रतियोगिता में डेल्टा कंपनी ब्याज ने प्रथम स्थान ग्रहण किया। जिसमे डेल्टा कंपनी के अंडर आफिसर मोती लाल, सार्जेंट आदित्य विश्वकर्मा, आशुतोष मणि त्रिपाठी एसागर यादव, भानु प्रताप सिंह, अमित चौधरी, आदर्श, ने आपसी सूझ बूझ खिचतान से प्रतिद्वंदियों को मैदान में पठखनी दिया। वही डेल्टा कंपनी की गर्ल्स द्तीय स्थान पर रही जिसमे प्रमुख रूप से श्रद्धा उपाध्याय, पूजा सिंह, प्रीति शर्मा, खुशी गुप्ता, साक्षी प्रजापति, दरखूसा बानो, गौरी कुशवाहा ने प्रतिद्वंदी टीम को सीमा रेखा से पार कर दिया।

35 मेडल्स के साथ उप विजेता बने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स

[illegible]

गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट् कोर 102 यू.पी. बटालियन के दस दिवसीय वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर महाराजगंज में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स ने उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बनने का सौभाग्य ग्रहण किया। महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रोफेसर राजेंद्र भारती ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने अपना उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर अपने साथ विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है। शिविर में कैडेट्स ने एकता, अनुशासन, सामूहिक शक्ति बुद्धि कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी के अनुयायी न बने स्वयं में

राष्ट्र हित में स्वयं को सदैव तैयार रखें कैडेट्स -प्रो. राजेंद्र भारती

नेतृत्वकर्ता बने। कैडेट्स को राष्ट्र हित के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। प्रतियोगिता से आत्मविश्वास की भावना जागृत होती है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कर्नल राजेश बहल जी ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करता है, महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने शिविर में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर स्वयं के साथ विश्व विद्यालय का नाम भी रोशन किया है। मेडल्स जीवन के हर क्षेत्र में आपको नए चुनौतियों के लिए प्रेरित करते रहेंगे। महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय 102यू पी बटालियन यूनिट के ए.एन.ओ डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव ने यूनिट का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि महाराजगंज के धनेवा ,धनेही में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण

शिविर में कुल 11 विद्यालयों के 600 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। शिविर का संचालन कैंप कमांडेड़ कर्नल अखिलेश मिश्रा और लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी ने किया। शिविर में संचालित विविध प्रतियोगिताओं में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने सभी प्रतियोगिताओं एवम गतिविधियों में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर श्रेष्ठता क्रम में कुल 35 मेडल्स और एक दर्जन से ज्यादा गिफ्ट ग्रहण कर उपविजेता होने का सौभाग्य ग्रहण किया। शिविर गतिविधियों का संचालन महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, गर्ल्स सीनियर सार्जेंट खुशी गुप्ता और डेल्टा कंपनी को अंडर ऑफिसर अंशिका सिंह ने अपने कुशल नेतृत्व से संचालित करने में सहयोग किया। शिविर में बेस्ट गर्ल्स कैडेट्स के रूप में अंडर ऑफिसर अंशिका सिंह को गोल्ड मेडल्स से सम्मानित किया गया। शिविर में बैनेट फाइटिंग

प्रतियोगिता में कैडेट प्रीति शर्मा ,श्रद्धा उपाध्याय, ,आंचल पाठक, ,अनुष्का फ्लैग एरिया में लांस नायक हश्र साहनी, आदर्श मौर्या, निकिता गौंड, शिवम सिंह, साक्षी प्रजापति, अस्मिता सिंह, गौरी कुशवाहा, अमृता कनौजिया, दरख्सा बानो, अंशिका सिंह, क्वॉर्टर गार्ड में कृष्णा त्रिपाठी, टग आफ वार प्रतियोगिता में डेल्टा कंपनी ब्याज ने प्रथम स्थान ग्रहण किया। जिसमे डेल्टा कंपनी के अंडर आफिसर मोती लाल सार्जेंट आदित्य विश्वकर्मा, आशुतोष मणि त्रिपाठी ,सागर यादव,भानु प्रताप सिंह ,अमित चौधरी ,आदर्श, ने आपसी सूझ बूझ खिचतान से प्रतिद्वंदियों को मैदान में पटखनी दिया। वही डेल्टा कंपनी की गर्ल्स द्वितीय स्थान पर रही जिसमे प्रमुख रूप से श्रद्धा उपाध्याय, पूजा सिंह, प्रीति शर्मा, खुशी गुप्ता, साक्षी प्रजापति, दरख्सा बानो, गौरी कुशवाहा ने प्रतिद्वंदी टीम को सीमा रेखा से पार कर दिया। सांस्कृतिक प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने सांस्कृतिक नृत्य, देश भक्ति को केंद्र में रखकर निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। सांस्कृतिक प्रतियोगिता की निर्णायक मंडल ने प्रथम स्थान से अलंकृत किया। सांस्कृतिक प्रस्तुति में अंडर आफिसर अंशिका सिंह, आंचल पाठक, सागर जायसवाल, पूजा सिंह को गोल्ड मेडल्स से सम्मानित किया गया। "क्विज" (प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता) में कैडेट अनुभव ,पूजा सिंह, अमृता कनौजिया ने उत्कृष्ठ प्रदर्शन किया वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कैडेट अनुभव ने और द्वितीय स्थान श्रद्धा उपाध्याय विजेता रही। वाद विवाद समूह प्रतियोगिता में कैडेट अनुभव, खुशी गुप्ता, श्रद्धा उपाध्याय ने पक्ष और विपक्ष में प्रतिद्वंदियों को अपने बेबाक शब्द बाणों से पटखनी दिया। राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स के उत्कृष्ठ प्रदर्शन पर कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत जी, प्राचार्य डॉ एन. एस .मंजूनाथ , प्राचार्य डॉ डी एस अजीठा, अधिष्ठाता डॉ सुनील कुमार सिंह, डॉ। विमल दुबे, डॉ. एस. के. सिंह, डॉ रोहित श्रीवास्तव, डॉ अमित दुबे , डॉ. अनुपमा ओझा , धनंजय पांडेय, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ विकास यादव , डॉ विक्रम शर्मा, डॉ प्रज्ञा सिंह, श्री साध्वी नंदन पाण्डेय , डॉ कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षक गण ने शुभाशीष दिया।

उप विजेता बने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स

गोरखपुर (एसएनबी)। राष्ट्रीय कैडेट् कोर 102 यूपी बटालियन के दस दिवसीय वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर महाराजगंज में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स ने उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बनें।

■ राष्ट्र हित में स्वयं को सदैव तैयार रखें कैडेट्सः प्रो. राजेंद्र

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रो. राजेंद्र भारती ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विवि के कैडेट्स ने अपना बेहतर प्रदर्शन कर अपने साथ विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है। शिविर में कैडेट्स ने एकता, अनुशासन, सामूहिक शक्ति बुद्धि कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी के अनुयायी न बने स्वयं में नेतृत्वकर्ता बने। कैडेट्स को राष्ट्र हित के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए।

कर्नल राजेश बहल ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करता है। महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय 102यूपी बटालियन यूनिट के एएनओ डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने यूनिट का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि महाराजगंज के धनेवा ,धनेही में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कुल 11 विद्यालयों के 600 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया।

शिविर का संचालन कैंप कमांडेड़ कर्नल अखिलेश मिश्रा और लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने किया। शिविर गतिविधियों का संचालन महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के सीनियर अंडर अफिसर सागर जायसवाल, गर्ल्स सीनियर सार्जेंट खुशी गुप्ता और डेल्टा कंपनी को अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने अपने कुशल नेतृत्व से संचालित करने में सहयोग किया। शिविर में बेस्ट गर्ल्स कैडेट्स के रूप में अंडर अफिसर अंशिका सिंह को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।

इस पर विवि के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, प्राचार्य डा. एनएस मंजूनाथ , प्राचार्या डा. डीएस अजीठा, डा. विमल दूबे, डा. एसके सिंह, डा. रोहित श्रीवास्तव, डा. अमित दुबे , डा. अनुपमा ओझा , धनंजय पाण्डेय, डा. अखिलेश दुबे, डा. विकास यादव , डा. विक्रम शर्मा, डा. प्रज्ञा सिंह, साध्वी नंदन पाण्डेय एवं डा. कुलदीप सिंह समेत सभी शिक्षकगण ने शुभाशीष दिया।

35 मेडल्स के साथ उप विजेता बने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स

निष्पक्ष प्रतिदिन | गोरखपुर

राष्ट्रीय कैडेट् कोर 102 यू.पी. बटालियन के दस दिवसीय वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर महाराजगंज में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स ने उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बनने का सौभाग्य ग्रहण किया। महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रोफेसर राजेंद्र भारती ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने अपना उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर अपने साथ विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है। शिविर में कैडेट्स ने एकता, अनुशासन, सामूहिक शक्ति बुद्धि कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी के अनुयायी न बने स्वयं में नेतृत्वकर्ता बने। कैडेट्स को राष्ट्र हित के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए । प्रतियोगिता से आत्मविश्वास की भावना जागृत होती है । कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कर्नल राजेश बहल ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करता है , महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने शिविर में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर स्वयं के साथ विश्व विद्यालय का नाम भी रोशन किया है।महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय 102यू पी बटालियन यूनिट के ए.एन.ओ डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव ने यूनिट का नेतृत्व किया । उन्होंने बताया कि महाराजगंज के धनेवा ,धनेही में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कुल 11 विद्यालयों के 600 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया । शिविर का संचालन कैंप कमांडेड़ कर्नल अखिलेश मिश्रा और लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने किया ।

शिविर में संचालित विविध प्रतियोगिताओं में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने सभी प्रतियोगिताओं एवम गतिविधियों में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर श्रेष्ठता क्रम में कुल 35 मेडल्स और एक दर्जन से ज्यादा गिफ्ट ग्रहण कर उपविजेता होने का सौभाग्य ग्रहण किया।

35 मेडल्स के साथ उप विजेता बने विवि के एनसीसी कैडेट्स

संदेश वाहक न्यूज

गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट् कोर 102 यू.पी. बटालियन के दस दिवसीय वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर महाराजगंज में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बनने का सौभाग्य ग्रहण किया ।

महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रोफेसर राजेंद्र भारती ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के

● राष्ट्रहित में स्वयं को सदैव तैयार रखें कैडेट्स : प्रो. राजेंद्र भारती

कैडेट्स ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने साथ विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है। शिविर में कैडेट्स ने एकता, अनुशासन, सामूहिक शक्ति बुद्धि कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी के अनुयायी न बने स्वयं में नेतृत्वकर्ता बने। कैडेट्स को राष्ट्र हित के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। प्रतियोगिता से आत्मविश्वास की भावना जागृत होती है । कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कर्नल राजेश बहल ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करता है , महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वयं के साथ विश्व विद्यालय का नाम भी रोशन किया है । मेडल्स जीवन के हर क्षेत्र में आपको नए चुनौतियों के लिए प्रेरित करते रहेंगे ।

महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय 102यू पी बटालियन यूनिट के ए.एन.ओ डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव ने यूनिट का नेतृत्व किया । उन्होंने बताया कि महाराजगंज के धनेवा ,धनेही में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कुल 11 विद्यालयों के 600 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया । शिविर का संचालन कैंप कमांडेड़ कर्नल अखिलेश मिश्रा और लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी ने किया । शिविर में संचालित विविध प्रतियोगिताओं में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने सभी प्रतियोगिताओं एवम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर श्रेष्ठता क्रम में कुल 35 मेडल्स और एक दर्जन से ज्यादा गिफ्ट ग्रहण कर उपविजेता होने का सौभाग्य ग्रहण किया । शिविर गतिविधियों का संचालन महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, गर्ल्स सीनियर सार्जेंट खुशी गुप्ता और डेल्टा कंपनी को अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने अपने कुशल नेतृत्व से संचालित करने में सहयोग किया । शिविर में बेस्ट गर्ल्स कैडेट्स के रूप में अंडर ऑफिसर अंशिका सिंह को गोल्ड मेडल्स से सम्मानित किया गया।

35 मेडल्स के साथ उप विजेता बने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स

राष्ट्र हित में स्वयं को सदैव तैयार रखें कैडेट्स : प्रो. राजेंद्र भारती

संवाददाता

गोरखपुर । राष्ट्रीय कैडेट् कोर 102 यू.पी. बटालियन के दस दिवसीय वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर महाराजगंज में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बनने का सौभाग्य ग्रहण किया ।

महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रोफेसर राजेंद्र भारती ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने साथ विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है। शिविर में कैडेट्स ने एकता, अनुशासन, सामूहिक शक्ति बुद्धि कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी के अनुयायी न बने स्वयं में नेतृत्वकर्ता बने। कैडेट्स को राष्ट्र हित के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए । प्रतियोगिता से आत्मविश्वास की भावना जागृत होती है ।

कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कर्नल राजेश बहल जी ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करता है , महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वयं के साथ विश्व विद्यालय का नाम भी रोशन किया है । मेडल्स जीवन के हर क्षेत्र में आपको नए चुनौतियों के लिए प्रेरित करते रहेंगे ।

महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय 102यू पी बटालियन यूनिट के ए.एन.ओ डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव ने यूनिट का नेतृत्व किया । उन्होंने बताया कि महाराजगंज के धनेवा ,धनेही में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कुल 11 विद्यालयों के 600 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया । शिविर का संचालन कैंप कमांडेड़ कर्नल अखिलेश मिश्रा और लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी ने किया । शिविर में संचालित विविध प्रतियोगिताओं में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने सभी प्रतियोगिताओं एवम गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर श्रेष्ठता क्रम में कुल 35 मेडल्स और एक दर्जन से ज्यादा गिफ्ट ग्रहण कर उपविजेता होने का सौभाग्य ग्रहण किया । शिविर गतिविधियों का संचालन महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, गर्ल्स सीनियर सार्जेंट खुशी गुप्ता और डेल्टा कंपनी को अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने अपने कुशल नेतृत्व से संचालित करने में सहयोग किया । शिविर में बेस्ट गर्ल्स कैडेट्स के रूप में अंडर ऑफिसर अंशिका सिंह को गोल्ड मेडल्स से सम्मानित किया गया। शिविर में 'बैनेट फाइटिंग' प्रतियोगिता मे कैडेट प्रीति शर्मा ,श्रद्धा उपाध्याय, ,आंचल पाठक, ,अनुष्का , 'फ्लैग एरिया' में लांस नायक हर्ष साहनी , आदर्श मौर्या, निकिता गौंड , शिवम सिंह, साक्षी प्रजापति , अस्मिता सिंह, गौरी कुशवाहा, अमृता कनौजिया, दरखष्सा बानो, अंशिका सिंह, 'क्वॉर्टर गार्ड' में कृष्णा त्रिपाठी ,'टग आफ वार' प्रतियोगिता मे डेल्टा कंपनी ब्याज ने प्रथम स्थान ग्रहण किया । जिसमे डेल्टा कंपनी के अंडर आफिसर मोती लाल , सार्जेंट आदित्य विश्वकर्मा, आशुतोष मणि त्रिपाठी ,सागर यादव,भानु प्रताप सिंह ,अमित चौधरी ,आदर्श, ने आपसी सूझ बूझ खिंचतान से प्रतिद्वंदियों को मैदान में पटखनी दिया । वही डेल्टा कंपनी की गर्ल्स तृतीय स्थान पर रही जिसमे प्रमुख रूप से श्रद्धा उपाध्याय , पूजा सिंह, प्रीति शर्मा, खुशी गुप्ता, साक्षी प्रजापति, दरखष्सा बानो, गौरी कुशवाहा ने प्रतिद्वंदी टीम को सीमा रेखा से पार कर दिया । सांस्कृतिक प्रतियोगिता में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने सर्जिकल स्ट्राइक, देश भक्ति को केंद्र में रखकर निर्णायक मंडल को प्रभावित किया । संस्कृति प्रतियोगिता को निर्णायक मंडल ने प्रथम स्थान से अलंकृत किया । सांस्कृतिक प्रस्तुति में अंडर आफिसर अंशिका सिंह, आंचल पाठक,सागर जायसवाल, पूजा सिंह को गोल्ड मेडल्स से सम्मानित किया गया। 'विवज' (प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता) में कैडेट अनुभव ,पूजा सिंह,अमृता कनौजिया ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया 'वाद विवाद प्रतियोगिता' में प्रथम स्थान कैडेट अनुभव ने और द्वितीय स्थान श्रद्धा उपाध्याय विजेता रही। 'वाद विवाद समूह' प्रतियोगिता में कैडेट अनुभव, खुशी गुप्ता ,श्रद्धा उपाध्याय ने पक्ष और विपक्ष में प्रतिद्वंदियों को अपने बेबाक शब्द भावो से पटखनी दिया।

राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स के उत्कृष्ठ प्रदर्शन पर कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत जी, प्राचार्य डॉ एन. एस .मंजूनाथ , प्राचार्या डॉ डी एस अजीठा, अधिष्ठता प्रो सुनील कुमार सिंह, डॉ। विमल दूबे, डॉ. एस. के. सिंह, डॉ.रोहित श्रीवास्तव, डॉ अमित दुबे , डॉ. अनुपमा ओझा , धनंजय पांडेय, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ विकास यादव , डॉ विक्रम शर्मा, डॉ प्रज्ञा सिंह, श्री साध्वी नंदन पाण्डेय , डॉ कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षक गण ने शुभाशीष दिया।

35 मेडल्स के साथ उप विजेता बने महायोगी गोरखनाथ वि.वि. के एनसीसी कैडेट्स

☐ राष्ट्र हित में स्वयं को सदैव तैयार रखें कैडेट्स : प्रो. राजेंद्र भारती

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता/ गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट् कोर 102 यू.पी. बटालियन के दस दिवसीय वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर महाराजगंज में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स ने उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बनने का सौभाग्य ग्रहण किया ।

महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रोफेसर राजेंद्र भारती ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के

कैडेट्स ने अपना उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर अपने साथ विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है। शिविर में कैडेट्स ने एकता, अनुशासन, सामूहिक शक्ति बुद्धि कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी के अनुयायी न बने स्वयं में नेतृत्वकर्ता बने। कैडेट्स को राष्ट्र हित के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए ।प्रतियोगिता से आत्मविश्वास की भावना जागृत होती है ।

कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कर्नल राजेश बहल जी ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्र सेवा के लिए संकल्पित करता है , महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने शिविर में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर स्वयं के साथ विश्व विद्यालय का नाम भी रोशन किया है । मेडल्स जीवन के हर क्षेत्र में आपको नए चुनौतियों के लिए प्रेरित करते रहेंगे । महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय 102यू पी बटालियन यूनिट के ए.एन.ओ डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव ने यूनिट का नेतृत्व किया ।उन्होंने बताया कि महाराजगंज के धनेवा ,धनेही में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कुल 11 विद्यालयों के 600 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया ।शिविर का संचालन कैंप कमांडेड़ कर्नल अखिलेश मिश्रा और लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी ने किया । शिविर में संचालित विविध प्रतियोगिताओं में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने सभी प्रतियोगिताओं एवम गतिविधियों में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर श्रेष्ठता क्रम में कुल 35 मेडल्स और एक दर्जन से ज्यादा गिफ्ट ग्रहण कर उपविजेता होने का सौभाग्य ग्रहण किया ।

35 मेडल्स के साथ उप विजेता बने महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स

राष्ट्र हित में स्वयं को सदैव तैयार रखें कैडेट्स : प्रो. राजेंद्र भारती

गोरखपुर। राष्ट्रीय कैडेट कोर 102 यू.पी. बटालियन के दस दिवसीय वार्षिकी प्रशिक्षण शिविर महाराजगंज में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैडेट्स ने उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर 35 मेडल्स के साथ उप विजेता बनने का सौभाग्य ग्रहण किया। प्रशासनिक अधिष्ठाता प्रोफेसर राजेंद्र भारती ने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने अपना उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर अपने साथ विश्वविद्यालय को भी गौरवान्वित किया है। शिविर में कैडेट्स ने एकता, अनुशासन, सामूहिक शक्ति बुद्धि कौशल का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जीवन में कभी भी किसी के अनुयायी न बने स्वयं में नेतृत्वकर्ता बने। कैडेट्स को राष्ट्र हित के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए ।

महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय 102यू पी बटालियन यूनिट के ए.एन.ओ डॉ.संदीप कुमार श्रीवास्तव ने यूनिट का नेतृत्व किया । उन्होंने बताया कि महाराजगंज के धनेवा, धनेही में चल रहे वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में कुल 11 विद्यालयों के 600 कैडेट्स ने प्रतिभाग किया। शिविर का संचालन कैंप कमांडेड़ कर्नल अखिलेश मिश्रा और लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह जी ने किया। शिविर में संचालित विविध प्रतियोगिताओं में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स ने सभी प्रतियोगिताओं एवम गतिविधियों में उत्कृष्ठ प्रदर्शन कर श्रेष्ठता क्रम में कुल 35 मेडल्स और एक दर्जन से ज्यादा गिफ्ट ग्रहण कर उपविजेता होने का

सौभाग्य ग्रहण किया। शिविर गतिविधियों का संचालन महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, गर्ल्स सीनियर सार्जेंट खुशी गुप्ता और डेल्टा कंपनी को अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने अपने कुशल नेतृत्व से संचालित करने में सहयोग किया। शिविर में बेस्ट गर्ल्स कैडेट्स के रूप में अंडर ऑफिसर अंशिका सिंह को गोल्ड मेडल्स से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय कैडेट कोर के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में महायोगी गोरखनाथ विश्व विद्यालय के कैडेट्स के उत्कृष्ठ प्रदर्शन पर कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत जी, प्राचार्य डॉ एन. एस .मंजूनाथ, प्राचार्या डॉ डी एस अजीठा, अधिष्ठता प्रो सुनील कुमार सिंह, डॉ विमल दूबे, डॉ. एस. के. सिंह, डॉ.रोहित श्रीवास्तव, डॉ अमित दुबे , डॉ. अनुपमा ओझा , धनंजय पांडेय, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ विकास यादव , डॉ विक्रम शर्मा, डॉ प्रज्ञा सिंह, श्री साध्वी नंदन पाण्डेय , डॉ कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षक गण ने शुभाशीष दिया।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में हुआ पूजा और प्रीति का चयन

स्वतंत्र भारत संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 102 यूपी बटालियन की कैड्ट पूजा सिंह और कैडेट प्रीति शर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर हेतु किया गया है। शिविर के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह के मुताबिक यह शिविर 14 मई तक समेंकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा धनेही महराजगंज में आयोजित किया गया है।

विश्वविद्यालय के दो एनसीसी कैडेट्स के इस चयन पर विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि शिविर में पूजा और प्रीति की भागीदारी से सभी कैडेट्स का मनोबल ऊंचा हुआ है। इन दोनों चयनित कैडेट्स को कुलपति

मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, श्रीकांत, प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ.विमल दूबे, डॉ. एसके सिंह, डॉ.रोहित श्रीवास्तव, डॉ अमित दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, धनंजय पांडेय, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ विकास यादव, डॉ विन्रम शर्मा, डॉ प्रज्ञा सिंह, साध्वी नंदन पाण्डेय, डॉ कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में कैडेट पूजा और प्रीति का चयन

भास्कर ब्यूरो

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 102 यूपी बटालियन की कैड्ट पूजा सिंह और कैडेट प्रीति शर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर हेतु किया गया है। शिविर के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह के मुताबिक यह शिविर 14 मई तक समेंकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा धनेही महराजगंज में आयोजित किया गया है जहां कैडेट्स को कुशल प्रशिक्षकों की देखरेख में गणतंत्र दिवस परेड के लिए तैयार किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के दो एनसीसी कैडेट्स के इस चयन पर विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में पूजा और प्रीति की भागीदारी से सभी कैडेट्स का मनोबल ऊंचा हुआ है । इन दोनों चयनित कैडेट्स को कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ.विमल दूबे, डॉ. एसके सिंह, डॉ.रोहित श्रीवास्तव, डॉ अमित दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, धनंजय पांडेय, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ विकास यादव, डॉ विन्रम शर्मा, डॉ प्रज्ञा सिंह, साध्वी नंदन पाण्डेय, डॉ कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में हुआ पूजा और प्रीति का चयन

गोरखपुर (विधान केसरी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर एनसीसी 102 यूपी बटालियन की कैड्ट पूजा सिंह और कैडेट प्रीति शर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर हेतु किया गया है। शिविर के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह के मुताबिक यह शिविर 14 मई तक समेंकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा धनेही महराजगंज में आयोजित किया गया है जहां कैडेट्स को कुशल प्रशिक्षकों की देखरेख में गणतंत्र दिवस परेड के लिए तैयार किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के दो एनसीसी कैडेट्स के इस चयन पर विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में पूजा और प्रीति की भागीदारी से सभी कैडेट्स का मनोबल ऊंचा हुआ है। इन दोनों चयनित कैडेट्स को कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ डीएस अजीथा, अधिष्ठता प्रो सुनील कुमार सिंह, डॉ.विमल दूबे, डॉ एसके सिंह, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ अमित दुबे, डॉ अनुपमा ओझा, धनंजय पांडेय, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ विकास यादव, डॉ विन्रम शर्मा, डॉ प्रज्ञा सिंह, साध्वी नंदन पाण्डेय, डॉ कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में हुआ कैडेट पूजा और प्रीति का चयन

गोरखपुर। (स्पष्ट आवाज)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 102 यूपी बटालियन की कैड्ट पूजा सिंह और कैडेट प्रीति शर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर हेतु किया गया है। शिविर के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह के मुताबिक यह शिविर 14 मई तक समेंकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा धनेही महराजगंज में आयोजित किया गया है जहां कैडेट्स को कुशल प्रशिक्षकों की देखरेख में गणतंत्र दिवस परेड के लिए तैयार किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के दो एनसीसी कैडेट्स के इस चयन पर विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में पूजा और प्रीति की भागीदारी से सभी कैडेट्स का मनोबल ऊंचा हुआ है। इन दोनों चयनित कैडेट्स को कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ.विमल दूबे, डॉ. एसके सिंह, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, डॉ अमित दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, धनंजय पांडेय, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ विकास यादव, डॉ विन्रम शर्मा, डॉ प्रज्ञा सिंह, साध्वी नंदन पाण्डेय, डॉ कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में हुआ कैडेट पूजा और प्रीति का चयन

संदेश वाहक न्यूज

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विवि गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 102 यूपी बटालियन की कैड्ट पूजा सिंह और कैडेट प्रीति शर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर हेतु किया गया है। शिविर के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह के मुताबिक यह शिविर 14 मई तक समेंकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा धनेही महराजगंज में आयोजित किया गया है जहां कैडेट्स को कुशल प्रशिक्षकों की देखरेख में गणतंत्र दिवस परेड के लिए तैयार किया जाएगा।

चयनित कैडेट

विवि के दो एनसीसी कैडेट्स के इस चयन पर विवि के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में पूजा और प्रीति की भागीदारी से सभी कैडेट्स का मनोबल ऊंचा हुआ है । इन दोनों चयनित कैडेट्स को कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ.विमल दूबे, डॉ. एसके सिंह, डॉ.रोहित श्रीवास्तव, डॉ अमित दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, धनंजय पांडेय, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ विकास यादव, डॉ विन्रम शर्मा, डॉ प्रज्ञा सिंह, साध्वी नंदन पाण्डेय, डॉ कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

प्रशिक्षण शिविर में हुआ पूजा और प्रीति का चयन

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 102 यूपी बटालियन की कैड्ट पूजा सिंह और कैडेट प्रीति शर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर हेतु किया गया है। शिविर के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह के मुताबिक यह शिविर 14 मई तक समेंकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा धनेही महराजगंज में आयोजित किया गया है जहां कैडेट्स को कुशल प्रशिक्षकों की देखरेख में गणतंत्र दिवस परेड के लिए तैयार किया जाएगा। विश्वविद्यालय के दो एनसीसी कैडेट्स के इस चयन पर विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में पूजा और प्रीति की भागीदारी से सभी कैडेट्स का मनोबल ऊंचा हुआ है । इन दोनों चयनित कैडेट्स को कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ.विमल दूबे, डॉ. एसके सिंह, डॉ.रोहित श्रीवास्तव, डॉ अमित दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, धनंजय पांडेय, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ विकास यादव, डॉ विन्रम शर्मा, डॉ प्रज्ञा सिंह, साध्वी नंदन पाण्डेय, डॉ कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में चयनित हुई महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की छात्राएं।

राष्ट्रीय स्तर के एनसीसी शिविर में चुनी गईं पूजा- प्रीति

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट्स कोर 102 यूपी बटालियन की कैडेट्स पूजा सिंह और प्रीति शर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर के लिए किया गया है। शिविर 14 मई तक समेंकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा धनेही महराजगंज में आयोजित होगा। कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस ने बधाई दी है।

राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में हुआ कैडेट पूजा व प्रीति का चयन

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 102 यूपी बटालियन की कैडेट पूजा सिंह और प्रीति शर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर के लिए हुआ है। शिविर के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह के मुताबिक यह शिविर 14 मई तक समेंकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा धनेही महराजगंज में आयोजित किया गया है जहां कैडेट्स को कुशल प्रशिक्षकों की देखरेख में गणतंत्र दिवस परेड के लिए तैयार किया जाएगा।

दो एनसीसी कैडेट्स के इस चयन पर विवि के एनसीसी अधिकारी डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में पूजा और प्रीति की भागीदारी से सभी कैडेट्स का मनोबल ऊंचा हुआ है । इन दोनों चयनित कैडेट्स को कुलपति मेजर जनरल अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस, नर्सिंग कालेज की प्राचार्य डा. डीएस अजीथा, अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डा. विमल दूबे, डा. एसके सिंह, डा. रोहित श्रीवास्तव, डा. अमित दुबे, डा. अनुपमा ओझा, धनंजय पांडेय, डा. अखिलेश दुबे, डा. विकास यादव, डा. विन्रम शर्मा, डा. प्रज्ञा सिंह, साध्वी नंदन पाण्डेय एवं डा. कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में हुआ कैडेट पूजा और प्रीति का चयन

मखौड़ा संदेश गोरखपुर संवाददाता।

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) 102 यूपी बटालियन की कैड्ट पूजा सिंह और कैडेट प्रीति शर्मा का चयन राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर हेतु किया गया है। शिविर के प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह के मुताबिक यह शिविर 14 मई तक समेंकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, धनेवा धनेही महराजगंज में आयोजित किया गया है जहां कैडेट्स को कुशल प्रशिक्षकों की देखरेख में गणतंत्र दिवस परेड के लिए तैयार किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के दो एनसीसी कैडेट्स के इस चयन पर विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण शिविर में पूजा और प्रीति की भागीदारी से सभी कैडेट्स का मनोबल ऊंचा हुआ है । इन दोनों चयनित कैडेट्स को कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेयी, कुलसचिव डॉ.प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एनएस, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. डीएस अजीथा, अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, डॉ.विमल दूबे, डॉ. एसके सिंह, डॉ.रोहित श्रीवास्तव, डॉ अमित दुबे, डॉ. अनुपमा ओझा, धनंजय पांडेय, डॉ अखिलेश दुबे, डॉ विकास यादव, डॉ विन्रम शर्मा, डॉ प्रज्ञा सिंह, साध्वी नंदन पाण्डेय, डॉ कुलदीप सिंह सहित सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

मतदाता जागरूकता अभियान

चलो वोट करें , सेल्फी पॉइंट और हस्ताक्षर अभियान बना माध्यम

☐ लोकतंत्र के रक्षार्थ सभी मतदाताओं को लेना होगा मतदान का संकल्प : कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपेई

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान मे आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान, लोकतंत्र को मजबूत करे ..चले वोट करे सेल्फी पॉइंट और वृहद मतदाता जागरूकता हस्ताक्षर अभियान पर हस्ताक्षर करके कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपई जी ने अभियान की शुरूआत किया।

सेल्फी पॉइंट और हस्ताक्षर अभियान कर मतदाताओं को जागरूक करते हुए कुलपति जी ने कहा की लोकतंत्र में वोट की शक्ति मतदाता का शत प्रतिशत अधिकार होता है । सही मत के अधिकार से सशक्त सरकार के निर्माण बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं। लोकतंत्र के महापर्व में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर जन जन को मतदान करने के लिए प्रेरित कर मतदाता जागरूकता अभियान से वोट के प्रति निरंतर संकल्पित कर रहा है।

भारत निर्वाचन आयोग के पहल पर शिक्षा मंत्रालय द्वारा निरंतर नवाचारों के माध्यम से युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने कहा की लोकतंत्र में मतदाता को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवम शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्य बनाए बनाए रखने के लिए निर्भीक होकर धर्म ,वर्ग , जाति, समुदाय, भाषा , अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनो में अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए।हस्ताक्षर अभियान में उपस्थित आयुर्वेद विभाग के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एन यस ने कहा कि 18 वे लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान कर अपना योगदान दे युवा।मतदाता जागरूकता अभियान के सेल्फी पॉइंट और हस्ताक्षर अभियान के शुभारंभ में ,उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकांत जी, प्राचार्य मंजूनाथ एन. यस , डॉ. रोहित श्रीवास्तव , डॉ. कुलदीप सिंह, धनंजय पांडेय, निर्वाचक योद्धा ,शिवानी सिंह, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, मतदाता जागरूकता अभियान के निर्वाचक योद्धा सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, अभिषेक चौरसिया , आशुतोष सिंह, हर्षव साहनी, भानु प्रताप सिंह, अमित चौधरी, आदर्श मौर्या, शिवम सिंह, शुभम मौर्य, अस्मिता सिंह, अमृता कनौजिया,अमित कुमार चौधरी सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक, राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स, सभी शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

टिकट जांच अभियान में 360 पकड़े गए

स्वतंत्र चेतना गोरखपुर। पूर्वोत्तर रेलवे पर ट्रेनों में अपराधों की रोकथाम, अनाधिकृत तथा बिना टिकट यात्रा के विरूद्ध एवं यात्रियों की सुविधा हेतु महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे सुश्री सौम्या माथुर के निर्देशन एवं प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक मनोज कुमार सिन्हा के नेतृत्व में 13 एवं 15 मई को गोरखपुर से गोण्डा तथा 18 मई को गोरखपुर से मनकापुर रेल खण्ड में वरिष्ठ वाणिज्य प्रबन्धक/टिकट जांच, सहायक वाणिज्य प्रबन्धक/दावा एवं सहायक वाणिज्य प्रबन्धक/एफ.एम. की देखरेख में बिना टिकट/अनियमित टिकट यात्रा करने वालों के विरूद्ध विशेष टिकट जांच अभियान चलाया गया। जांच अभियान में 360 बिना टिकट/अनियमित टिकट अथवा बिना बुक सामान के मामले पकड़े गये, जिनसे रेल राजस्व के रूप में रू0 2,86,700/- के रेल राजस्व की राशि वसूल की गयी। इस तरह का जांच अभियान आगे भी पूर्वोत्तर रेलवे पर स्टेशनों एवं गाड़ियों में तथा विभिन्न रेल खण्डों पर चलाये जायेंगे।इस टिकट जांच अभियान में मुख्यालय के टिकट जांच कर्मचारी, रेलवे सुरक्षा एवं राजकीय रेलवे पुलिस ने अपना योगदान दिया।

हस्ताक्षर अभियान से दिया मतदान का संदेश

मतदाता जागरूकता के लिए हस्ताक्षर करते महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डा.अतुल बाजपेयी • जागरण

गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान में स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों ने हस्ताक्षर अभियान चलाकर लोगों को मतदान के लिए जागरूक करने के साथ ही संकल्प भी दिलाया। कुलपति मेजर जनरल डा.अतुल बाजपेयी ने हस्ताक्षर कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा की लोकतंत्र के महापर्व में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय जन-जन को मतदान करने के लिए प्रेरित कर मतदाता जागरूकता अभियान से वोट के प्रति निरंतर संकल्पित कर रहा है। कुलसचिव डा.प्रदीप कुमार राव ने कहा की लोकतंत्र में मतदाता को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। हस्ताक्षर अभियान में उपस्थित आयुर्वेद विभाग के प्राचार्य डा.मंजूनाथ एनयस ने कहा कि 18वें लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के युवा मतदाता तैयार हैं। ये युवा एक जून को अपने बूथ पर पहला वोट डालकर लोकतंत्र को सशक्त बनाने में अहम योगदान देंगे। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डा.अखिलेश, डा.कुलदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में लोकतंत्र का महापर्व...

.चलो वोट करे , सेल्फी पॉइंट और हस्ताक्षर अभियान का हुआ शुभारंभ

मखौड़ा संदेश गोरखपुर संवाददाता।

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान मे आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान, लोकतंत्र को मजबूत करे ..चले वोट करे सेल्फी पॉइंट और वृहद मतदाता जागरूकता हस्ताक्षर अभियान पर हस्ताक्षर करके कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपई जी ने अभियान की शुरुआत किया। सेल्फी पॉइंट और हस्ताक्षर अभियान कर मतदाताओं को जागरूक करते हुए कुलपति जी ने कहा की लोकतंत्र मे वोट की शक्ति मतदाता का शत प्रतिशत अधिकार होता है। सही मत के अधिकार से सशक्त सरकार के निर्माण बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं। लोकतंत्र के महापर्व मे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर जन जन को मतदान करने के लिए प्रेरित कर मतदाता जागरूकता अभियान से वोट के प्रति निरंतर संकल्पित कर रहा है।

भारत निर्वाचन आयोग के पहल पर शिक्षा मंत्रालय द्वारा निरंतर नवाचारों के माध्यम से युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने कहा की लोकतंत्र में मतदाता को स्वतंत्र , निष्पक्ष एवम शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्य बनाए बनाए रखने के लिए निर्भीक होकर धर्म ,वर्ग , जाति, समुदाय, भाषा , अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनो मे अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। हस्ताक्षर अभियान मे उपस्थित आयुर्वेद विभाग के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एन यस ने कहा कि 18 वे लोकसभा चुनाव मे शत प्रतिशत मतदान के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के युवा मतदाता तैयार है 1 जून की अपने बूथ पर पहला वोट डालकर लोकतंत्र को सशक्त बनाने मे अपना अहम योगदान देंगे।राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ अखिलेश दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय मे लोकतंत्र के महापर्व मे युवा मतदाताओं को निरंतर नूतन नवाचारों से वोट की शक्ति पहचानने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। पूर्ण विश्वास है इस लोकतंत्र मे युवा मतदाता अपने साथ साथ आसपास के लोगो को भी वोट के प्रति जागरूक कर वोट प्रतिशत की समृद्ध करेंगे। मतदाता जागरुकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा की भारत के नवनिर्माण मे सशक्त लोकतंत्र के लिए हर वोट जरूरी है। मतदान के सही सदुप्रयोग वोट की शक्ति से सशक्त राष्ट्र सशक्त सरकार का चयन किया जा सकता है।महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने शत प्रतिशत मतदाता पंजीकरण कराने में सफल रहा है।

विश्वविद्यालय में मतदाता पहचान पत्र के पंजीकरण के लिए शिविर लगाकर शत प्रतिशत मतदाता पंजीकरण रिकॉर्ड को पूरा किया गया । विश्वविद्यालय मे युवा विद्यार्थियों का मतदान को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है ।

मतदाता जागरूकता अभियान के सेल्फी पॉइंट और हस्ताक्षर अभियान के शुभारंभ मे ,उपकुलसचिव प्रशासन श्री श्रीकांत जी, प्राचार्य मंजूनाथ एन यस , डॉ. रोहित श्रीवास्तव , डॉ. कुलदीप सिंह, श्री धनंजय पांडेय, निर्वाचक योद्धा ,शिवानी सिंह, सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, मतदाता जागरूकता अभियान के निर्वाचक योद्धा सागर जायसवाल, खुशी गुप्ता, अभिषेक चौरसिया , आशुतोष सिंह, हर्षव साहनी, भानु प्रताप सिंह, अमित चौधरी, आदर्श मौर्या, शिवम सिंह, शुभम मौर्य, अस्मिता सिंह, अमृता कनौजिया,अमित कुमार चौधरी सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक, राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स, सभी शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

संस्था को प्रफुल्लित

चलो वोट करें, सेल्फी पॉइंट का शुभारंभ

गोरखनाथ विवि

सोमवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत सेल्फी प्वाइंट का शुभारंभ किया गया।

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में सोमवार से मतदाता जागरूकता अभियान शुरू हुआ। राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान में इसका आयोजन हुआ। इसमें सेल्फी पॉइंट और हस्ताक्षर अभियान शामिल है। कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपेई ने पहला हस्ताक्षर कर अभियान की शुरुआत की।

कुलपति ने कहा कि सही मत के अधिकार से सशक्त सरकार के निर्माण बहुमूल्य योगदान दे सकते हैं। लोकतंत्र के महापर्व में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर जन जन को मतदान करने के लिए प्रेरित कर रहा है। कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता को किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए।

आयुर्वेद विभाग के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस ने कहा कि शत प्रतिशत मतदान के लिए विश्वविद्यालय के युवा मतदाता तैयार है। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ अखिलेश दुबे ,मतदाता जागरुकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वविद्यालय ने शत प्रतिशत मतदाता पंजीकरण कराने में सफल रहा है। इस अवसर पर उपकुलसचिव प्रशासन श्रीकांत, डॉ. रोहित श्रीवास्तव , डॉ. कुलदीप सिंह, धनंजय पांडेय आदि उपस्थित रहे।

दृढ़ संकल्प व अनुशासन से हर लक्ष्य संभव

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि दृढ़ संकल्प और अनुशासन से किसी भी लक्ष्य के हासिल किया जा सकता है। सफलता का यह सूत्र महिला और पुरुष दोनों पर समान रूप से लागू होता है। डॉ. वाजपेयी गुरुवार को विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन एनसीसी की तरफ से राष्ट्रीय शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कैडेट्स पूजा सिंह और प्रीति शर्मा को सम्मानित कर रहे थे। राष्ट्रीय शिविर में पूजा सिंह ने गार्ड कमांडर और प्रीति शर्मा ने अंडर गार्ड कमांडर के रूप में क्वार्टर गार्ड टीम का नेतृत्व किया। दोनों संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की छात्रा हैं। कैंप कमांडेंड कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि आज नारी शक्ति चुनौतियों को स्वीकार कर घर, परिवार और राष्ट्र की प्रगति में अपना सशक्त योगदान दे रही है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर वापस लौटीं कैडेट्स को कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव समेत सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

महायोगी गोरखनाथ विवि की एनसीसी कैडेट्स ने राष्ट्रीय शिविर में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

मखौड़ा संदेश गोरखपुर संवाददाता।

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि दृढ़ संकल्प और अनुशासन से किसी भी लक्ष्य के हासिल किया जा सकता है। सफलता का यह सूत्र महिला और पुरुष दोनों पर समान रूप से लागू होता है। डॉ. वाजपेयी गुरुवार को विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन एनसीसी की तरफ से राष्ट्रीय शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कैडेट्स पूजा सिंह और प्रीति शर्मा को सम्मानित कर रहे थे। राष्ट्रीय शिविर में पूजा सिंह ने गार्ड कमांडर और प्रीति शर्मा ने अंडर गार्ड कमांडर के रूप में क्वार्टर गार्ड टीम का नेतृत्व किया। दोनों संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की छात्रा हैं। कैंप कमांडेंड कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि आज नारी शक्ति चुनौतियों को स्वीकार कर घर, परिवार और राष्ट्र की प्रगति में अपना सशक्त योगदान दे रही है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर वापस लौटीं कैडेट्स को कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव समेत सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

दृढ़ संकल्प व अनुशासन से हर लक्ष्य संभव : डॉ. वाजपेयी

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि दृढ़ संकल्प और अनुशासन से किसी भी लक्ष्य के हासिल किया जा सकता है। सफलता का यह सूत्र महिला और पुरुष दोनों पर समान रूप से लागू होता है।

डॉ. वाजपेयी गुरुवार को विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन एनसीसी की तरफ से राष्ट्रीय शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कैडेट्स पूजा सिंह और प्रीति शर्मा को सम्मानित कर रहे थे। राष्ट्रीय शिविर में पूजा सिंह ने गार्ड कमांडर और प्रीति शर्मा ने अंडर गार्ड कमांडर के रूप में क्वार्टर गार्ड टीम का नेतृत्व किया। दोनों संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की छात्रा हैं। कैंप कमांडेंड कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि आज नारी शक्ति चुनौतियों को स्वीकार कर घर, परिवार और राष्ट्र की प्रगति में अपना सशक्त योगदान दे रही है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर वापस लौटीं कैडेट्स को कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह समेत सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

दृढ़ संकल्प व अनुशासन से हर लक्ष्य संभव : डॉ. वाजपेयी

'महायोगी गोरखनाथ विवि की एनसीसी कैडेट्स ने राष्ट्रीय शिविर में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन'

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि दृढ़ संकल्प और अनुशासन से

किसी भी लक्ष्य के हासिल किया जा सकता है। सफलता का यह सूत्र महिला और पुरुष दोनों पर समान रूप से लागू होता है। डॉ. वाजपेयी गुरुवार को विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन एनसीसी की तरफ से राष्ट्रीय शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कैडेट्स पूजा सिंह और प्रीति शर्मा को सम्मानित कर रहे थे। राष्ट्रीय शिविर में पूजा सिंह ने गार्ड कमांडर और प्रीति शर्मा ने अंडर गार्ड कमांडर के रूप में क्वार्टर गार्ड टीम का नेतृत्व किया। दोनों संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की छात्रा हैं। कैंप कमांडेंड कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि आज नारी शक्ति चुनौतियों को स्वीकार कर घर, परिवार और राष्ट्र की प्रगति में अपना सशक्त योगदान दे रही है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर वापस लौटीं कैडेट्स को कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव समेत सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

दृढ़ संकल्प व अनुशासन से हर लक्ष्य संभवः डॉ. वाजपेयी

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि दृढ़ संकल्प और अनुशासन से किसी भी लक्ष्य के हासिल किया जा सकता है। सफलता का यह सूत्र म महिला और पुरुष दोनों पर समान रूप से लागू होता है।

डॉ. वाजपेयी गुरुवार को विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन एनसीसी की तरफ से राष्ट्रीय शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कैडेट्स पूजा सिंह और प्रीति शर्मा को सम्मानित कर रहे थे। राष्ट्रीय शिविर में पूजा सिंह ने गार्ड कमांडर और प्रीति शर्मा ने अंडर गार्ड कमांडर के रूप में क्वार्टर गार्ड टीम का नेतृत्व किया। दोनों संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की छात्रा हैं। कैंप कमांडेंड कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कैडेट्स को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि आज नारी शक्ति चुनौतियों को स्वीकार कर घर, परिवार और राष्ट्र की प्रगति में अपना सशक्त योगदान दे रही है।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर वापस लौटीं कैडेट्स को कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, उपकुलसचिव श्रीकांत, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठता प्रो. सुनील कुमार सिंह, विश्वविद्यालय के एनसीसी अधिकारी डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव समेत सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

एनसीसी कैडेट को सम्मानित करते कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी।

दृढ़ संकल्प व अनुशासन से हर लक्ष्य संभव : डॉ. वाजपेयी

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी ने कहा कि दृढ़ संकल्प और अनुशासन से किसी भी लक्ष्य के हासिल किया जा सकता है। सफलता का यह सूत्र महिला और पुरुष दोनों पर समान रूप से लागू होता है।

डॉ. वाजपेयी गुरुवार को विश्वविद्यालय के 102 यूपी बटालियन एनसीसी की तरफ से राष्ट्रीय शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कैडेट पूजा सिंह और प्रीति शर्मा को सम्मानित कर रहे थे। राष्ट्रीय शिविर में पूजा सिंह ने गार्ड कमांडर और प्रीति शर्मा ने अंडर गार्ड कमांडर के रूप में क्वार्टर गार्ड टीम का नेतृत्व किया। दोनों संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की छात्रा हैं। कैंप कमांडेंड कर्नल अखिलेश मिश्रा ने कैडेट को प्रोत्साहित किया।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-273007

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना

एवं

राष्ट्रीय कैडेट कोर

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in